


२४/१०  
२०

प्राणमी प्राणुत की गई वकील वादी  
किन्तु न्यायालय के पुकारे जाने पर ना  
तो वादी ना ही वकील वादी न्यायालय  
के समक्ष उपजात हुये। कतः हलगत  
समय को कदम हाजिरी कदम पैरवी  
स्वादिज की आमी है पत्रावली निपटारुगा  
वाकिल वरुत ही  ले कर है

